कोटा के आरटीयू हॉस्टल में जयपुर के छात्र की मौत के बाद स्टूडेंट्स का प्रदर्शन

छात्रों का कहना है कि स्टूडेंट की मौत स्नेक बाइट से हुई, वहीं प्रबंधन का कहना है कि छात्र की मौत प्रारंभिक तौर पर कार्डियक अरेस्ट से होना प्रतीत होता है

कोटा, (निसं)। राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय (आरटीयू) में गुरुवार को एक स्टूडेंट की मौत का मामला सामने आया है। स्टूडेंट अपने हॉस्टल में बेहोश मिला था। सूचना के बाद यूनिवर्सिटी के चिकित्सक पहुंचे और उन्होंने एंबुलेंस की मदद से छात्र को अस्पताल में शिफ्ट किया था। जहां पर चिकित्सक ने छात्र को मृत घोषित कर दिया। इसके बाद स्टूडेंट्स ने यूनिवर्सिटी के मुख्य गेट पर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। छात्रों का कहना है कि स्टूडेंट की मौत स्नेक बाइट से हुई। वहीं प्रबंधन का कहना है कि छात्र की मौत प्रारंभिक तौर पर कार्डियक अरेस्ट से होना प्रतीत होता है। हालांकि पोस्टमार्टम होने के बाद मौत का सही कारण पता चल पाएगा।

- **स्टूडेंट राहुल चौधरी का कहना है कि यहां सुविधाओं का अभाव है और करोड़ों रुपए का बजट होने के बावजूद भी हॉस्टल पर ध्यान नहीं दिया जाता है, कई बार यहां पर सांप आ जाते हैं**
- **परिजनों के आने के बाद मृतक स्टूडेंट का पोस्टमार्टम होगा, उसके बाद ही मौत का कारण क्लियर हो पाएगा**

राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. निमित्त रंजन चौधरी का कहना है कि घटना सुबह 09.45 बजे हुई थी। छात्र अक्षित शर्मा मूल रूप से जयपुर का रहने वाला था। वह अन्य दो स्टूडेंट के साथ हॉस्टल में रहता था। वीसी डॉ. चौधरी का कहना है कि हमने इस मामले में तत्काल यूनिवर्सिटी के डॉक्टर को भेज दिया था। मैं भी मौके पर पहुंचा था, स्टूडेंट का रूम पहले फ्लोर पर है। ऐसे में स्नेक बाइट की संभावना कम लग रही है। यह कार्डियक अरेस्ट ही लग रहा है। अक्षित के परिजन आने के बाद पोस्टमार्टम होगा और उसके बाद क्लियर हो जाएगा। वहीं स्टूडेंट राहुल चौधरी का कहना है कि यहां सुविधाओं का अभाव है और करोड़ों रुपए का बजट होने के बावजूद भी हॉस्टल पर ध्यान नहीं दिया जाता है। कई बार यहां पर सांप आ जाते हैं। अक्षित का शरीर भी पीला पड़ गया था। इसलिए ऐसा लग रहा है कि उसको सांप ने ही काटा है। जहर फैलने के चलते ही ऐसा हुआ है। छात्र पूरे मामले में जांच की मांग कर रहे हैं और यूनिवर्सिटी के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। छात्रों का कहना है कि विश्वविद्यालय ने परिसर को पूरी तरह से जंगल बनाया हुआ है। जबकि परिसर को पूरी तरह से नीट एंड क्लीन रखना चाहिए। सुविधाओं के लिए जिम्मेदार यूनिवर्सिटी प्रबंधन है। सुविधाएं नहीं होने के चलते अक्षित की मौत हुई है। यूनिवर्सिटी के हॉस्टल खंडर बने हुए हैं। डिस्पेंसरी में भी दवा उपलब्ध नहीं है।

स्टूडेंट पारस शर्मा का आरोप है कि जब अक्षित की तबीयत बिगड़ गई थी, तब हॉस्टल के चीफ वार्डन पहुंचे थे, लेकिन उन्होंने अपने पर्सनल व्हीकल से स्टूडेंट को ले जाने से इनकार कर दिया। स्टूडेंट की हालत खराब होने के बावजूद भी उन्होंने एंबुलेंस का इंतजार किया। अस्पताल की डिस्पेंसरी में सामान्य गोली और इंजेक्शन लगाने के लिए सिरिंज भी उपलब्ध नहीं है। वहां जब हम जाते हैं, तो चिकित्सक बजट नहीं होने की बात कहते हैं। हॉस्टल बिल्डिंग में टॉयलेट में लाईट की व्यवस्था नहीं है। जब वहां सुबह अंधेरे में बच्चे जाते हैं, तब सांप नजर आते हैं। डेवलपमेंट चार्ज के नाम पर हमसे फीस ली जा रही है और जब लाईट लगवाई जाती है, तो कुछ दिन ही चलती है, फिर खराब हो जाती है। अच्छी क्वालिटी की लाईट्स भी नहीं लगती है। बिल्डिंग में कई तरह की कमियां है, लेकिन दूर नहीं हो रही हैं। हॉस्टल व कैम्पस अंधेरे में रहते हैं।

बताया जा रहा है कि अक्षित शर्मा ने बुधवार को ब्लड डोनेशन कैंप में पार्टिसिपेट किया था। इसके साथ ही कल्चरल एक्टिविटी में भी शामिल रहा था और इवेंट के चलते रात को वह रात 1 बजे अपने रूम पर पहुंचा था। जहां दूसरा स्टूडेंट सो रहा था, उसने सुबह अक्षित को जगाया नहीं था और वह क्लास में चला गया था। बाद में अक्षित को दूसरे स्टूडेंट्स ने जगाया, तब यह घटनाक्रम होना सामने आया। फिलहाल यह क्लियर नहीं हुआ है कि स्टूडेंट की मौत किस कारण से हुई है। परिजनों के आने के बाद मृतक स्टूडेंट का पोस्टमार्टम होगा। उसके बाद ही मौत का कारण क्लियर हो पाएगा। दूसरी तरफ आरटीयू के अन्य स्टूडेंट्स ने भी प्रोटेस्ट शुरू कर दिया। विद्यार्थी यूनिवर्सिटी के मुख्य गेट के बाहर बैठ गए। बाद में पुलिस ने बलप्रयोग करके को खदेड़ा।

पुलिस उप अधीक्षक मनीष शर्मा ने बताया कि छात्रों और यूनिवर्सिटी प्रशासन के वार्ता हुई है। छात्रों की कुछ मांगे थी जिन्हें पूरा करने का आश्वासन यूनिवर्सिटी प्रशासन ने दिया है। इसके पश्चात स्टूडेंट्स ने धरना समाप्त कर दिया है।

संत की मौत के मामले में 50 घंटे बाद समाधि से शव निकाला

रतनगढ़, (निसं)। रतनगढ़ तहसील के गांव सांगासर में दो संतों के बीच हुए विवाद के बाद एक संत की मौत के मामले में गुरुवार को करीब 50 घंटे बाद शव को समाधि से बाहर निकालकर जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया। मृतक के परिजनों की रिपोर्ट पर पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार हरियाणा के सिरसा जिले के धौलपालिया निवासी हंसराज ने रिपोर्ट दी कि उसका भाई बन्नानाथ वर्ष 2004 में संन्यास लेकर साधु बन गया था। वह रावतसर स्थित बालकनाथ के आश्रम में रह रहा था। बाद में उसे सांगासर स्थित बजरंगनाथ के पास छोड़ दिया गया। परिजनों का संपर्क नहीं होने पर जानकारी जुटाई गई तो बन्नानाथ की मौत होने की बात सामने आई। रिपोर्ट में मारपीट कर हत्या करने तथा बिना परिजनों को सूचना दिए शव को समाधि देने का आरोप लगाया गया है। पुलिस ने बालकनाथ, बजरंगनाथ, मुकेशनाथ, लूणनाथ, लक्ष्मीनारायण सहित अन्य के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया है। शव निकालने की मांग को लेकर बुधवार को ग्रामीणों ने सालासर सड़क मार्ग पर जाम भी लगाया था। पुलिस की समझाइश के बाद जाम खुलवाया गया। उपखंड मजिस्ट्रेट के आदेश पर तहसीलदार अंकित मिमानी के निर्देशन में गुरुवार को मेडिकल व एफएसएल टीम की मौजूदगी में शव निकाला गया। अब पोस्टमार्टम कराया जाएगा। मौके पर सीआई संदीप कुमार सहित पुलिस जाप्ता तैनात रहा।

- **शव को समाधि से बाहर निकालकर जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया**
- **मृतक के परिजनों की रिपोर्ट पर पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की**

सीकर जिले में मकान मालिक ने नाबालिग लड़की से रेप किया

सीकर, (निसं)। सीकर जिले में 15 साल की नाबालिग लड़की से रेप का मामला सामने आया है। रेप करने वाला कोई और नहीं बल्कि मकान मालिक ही है, जिसने 3 दिन तक नाबालिग लड़की को बंधक बनाकर रेप किया। घटना के बारे में किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी। नाबालिग लड़की की मां ने पुलिस में मुकदमा दर्ज करवाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

15 साल की नाबालिग लड़की की मां ने पुलिस में शिकायत देकर बताया कि वह पिछले करीब 2 साल से सीकर जिले में एक किराए के मकान पर अपनी 15 साल की बेटी के साथ रहती है। हाल ही में उनका मकान मालिक उनकी बेटी को अपने साथ लेकर चला गया था। बेटी उसके चंगुल से बचकर आई। इसके बाद वह सहमी सी रही। इसके बाद जब मां ने उससे पूछा तो उसने बताया कि अंकल उसे अपने साथ लेकर गए और 3 दिन तक बंधक बनाकर एक जगह रेप किया। घटना के बारे में किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी। अब पुलिस ने पॉक्सो सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपी मकान मालिक के एक साथी ने भी इस वारदात में उसका सहयोग किया। इसके खिलाफ भी पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। मामले की जांच रैंक के ऑफिसर कर रहे हैं।

किश्त के रुपये लेकर फरार हुआ फाइनेंस कर्मचारी गिरफ्तार

डूंगरपुर, (निसं)। पुलिस ने फाइनेंस कंपनी से धोखाधड़ी के मामले में फरार एक कर्मचारी को गिरफ्तार किया है। आरोपी करीब दो महीने से फरार था। उसने कंपनी के ढाई लाख रुपए से ज्यादा की रकम लेकर गबन किया था।

धंबोला थाना पुलिस के अनुसार 21 अगस्त को कमल फिनकेप प्राइवेट लिमिटेड की सीमलवाडा शाखा के क्षेत्रीय प्रबंधक सोनू ने दर्ज रिपोर्ट दर्ज में बताया कि फील्ड स्टाफ वसूली का काम करने वाला कर्मचारी सुशील निवासी डीग-12 अगस्त को सीमलवाडा क्षेत्र से समूह लोन की किश्त के 2,54,247 रुपए वसूल कर बिना जमा कराए फरार हो गया था। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। थानाधिकारी चंद्रशेखर के नेतृत्व में एक टीम बनाई गई।

मुखबिर की सूचना और तकनीकी सबूतों के आधार पर आरोपी सुशील को कुम्हेर, जिला डीग से पकड़ा गया। पूछताछ में अपराध साबित होने पर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस आरोपी से आगे की पूछताछ कर रही है।

खंडार उपखंड क्षेत्र की चंबल नदी में डूबने से भाई-बहन की मौत

बौंली-बामनवास, (निसं)। सवाईमाधोपुर एवं कोटा जिले की सीमा पर स्थित खंडार उपखंड के झरेल बालाजी के पास बह रही चंबल नदी में मंदिर में दर्शन करने से पहले नहाने गए भाई और बहन की गहरे पानी में डूबने से मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार बहरावंडा खुर्द निवासी गणपतलाल सैनी (22) एवं उसकी बहन अंतिमा सैनी (20) दोनों बुधवार को झरेल बालाजी के दर्शन करने गए थे इसी दौरान दर्शन करने से पहले दोनों भाई-बहन चंबल नदी में स्नान करने चले गए एवं दोनों ने वहां पर फोटो और वीडियो बनाई फिर नहाने लगे इसी दौरान बहन अंतिमा का पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में डूबने लगी इसको देखकर भाई गणपत ने उसके उसको बचाने के प्रयास में पानी में छलांग लगा दी और वह भी डूब गया। आस-पास मौजूद ग्रामीणोंने उन्हें बचाने का प्रयास किया सफलता नहीं मिलने पर पुलिस को सूचना दी गई सूचना पाकर खंडार तहसीलदार पुष्कर सिंह एवं थाना प्रभारी लक्ष्मणसिंह सिविल डिफेंस टीम को लेकर मौके के पर पहुंचे एवं रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। रात्रि हो जाने के कारण तलाशी अभियान रोका गया। उसे फिर गुरुवार को फिर शुरू किया गया। काफी प्रयास बाद गणपत लाल का करीब बारह बजे एवं अंतिमा का शव करीब तीन बजे सिविल डिफेंस टीम को मिला, जिन्हें प्रशासनिक औपचारिकता पूरी करने के बाद शवों को परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। दोनों भाई-बहनों के डूबने परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।



सिविल डिफेंस टीम की ने मौके पर रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया।

तीन भाइयों पर अज्ञात बदमाशों ने हमला किया

डूंगरपुर, (निसं)। कोतवाली थाना क्षेत्र में बुधवार रात चाय की दुकान पर रुके तीन भाइयों पर अज्ञात बदमाशों ने साइकिल की चेन और लट्ठ से हमला कर दिया। हमले में करावाडा निवासी सुनील रोत गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि उसके भाई मेहुल और दिनेश को बीच-बचाव के दौरान मामूली चोटें आईं। घटना के बाद सुनील को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार जारी है।

मामले के अनुसार, शास्त्री कॉलोनी स्थित ओटा में यह वारदात हुई। करावाडा निवासी सुनील रोत अपने दो भाइयों मेहुल और दिनेश के साथ अपनी चचेरी बहन मानसी को लेने के लिए डूंगरपुर आए थे। इसी दौरान तीनों ओटे में एक चाय की दुकान पर चाय पीने के लिए रुक गए। तीनों भाई चाय पी ही रहे थे कि अचानक कुछ अज्ञात बदमाशों ने उन पर साइकिल की चेन और लट्ठ से हमला बोल दिया। अचानक हुए हमले में सुनील गंभीर रूप से घायल हो गया। वहींए भाई मेहुल और दिनेश ने बीच-बचाव किया तो उन्हें भी मामूली चोटें आईं।

आरोपी को पकड़ने आई हरियाणा पुलिस पर हमला

जोधपुर, (कासं)। जिले के ओसियां में साइबर क्राइम के आरोपी को पकड़ने पहुंची हरियाणा पुलिस की टीम पर हमला हो गया। ओसियां थाने से महज 100 मीटर की दूरी पर यह घटना हुई।

पुलिस ने आरोपी को अपने वाहन में बैठा लिया था। तभी थार, फॉरच्यूनर सहित कई वाहनों में आए लोगों ने पुलिस वाहन को घेर लिया। लाठी और पत्थरों से हमला किया। शीशे क्षतिग्रस्त हो गए। बदमाशों ने आरोपी को छुड़ाने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस जैसे-तैसे वाहन को थाने में ले गई। इसके बाद बदमाश फरार हो गए। बदमाशों में शामिल चंद्रप्रकाश ने ड्राइवर साइड के शीशे पर लाठी से वार किया। फिर दूसरी तरफ जाकर बड़ा पत्थर उठाकर वाहन पर मारने लगा। पीछे मौजूद दो युवकों ने पुलिस वाहन का दरवाजा खोलने का प्रयास किया। अंदर बैठे नरपतराम ने भी अंदर से दरवाजा खोलने की कोशिश की, लेकिन एसआई सुनील कुमार ने उसे रोक दिया। इसी दौरान मौका पाकर पुलिस थाने तक पहुंचने में कामयाब हो गई और हमलावर भाग गए। हरियाणा पुलिस ने मामले को लेकर ओसियां थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई है।

- **थार, फॉरच्यूनर सहित कई वाहनों में आए बदमाशों ने आरोपी को छुड़ाने का प्रयास किया**
- **मौका पाकर थाने तक पहुंचने में कामयाब हो गई पुलिस, हमलावर भाग गए**

कोचिंग के नाम पर 1.37 लाख की ठगी

जोधपुर, (कासं)। शहर के एक युवक से अमेरिकी एग्जाम सीएफए की कोचिंग के लिए शातिर ने फ्रॉड कर 1.37 लाख की धोखाधड़ी की। पीड़ित ने एक नामजद युवक के खिलाफ प्रतानगर सदर थाने में धोखाधड़ी की रिपोर्ट दी है।

प्रतापनगर सदर पुलिस के अनुसार मंडप रेस्टोरेंट के पास नवीं चौपासनी रोड निवासी विशाल पुत्र गजेंद्रराज की तरफ से रिपोर्ट दी गई है। इसमें बताया कि उसका संपर्क अगस्त माह में राघव नाम के शख्स से हुआ था। उसने अमेरिकी एग्जाम सीएफए की कोचिंग और रजिस्ट्रेशन की बात की थी। तब उससे अगस्त-सितंबर में अलग-अलग किश्तों 1.37 लाख रूपए दिए गए। पीड़िता का कहना है आरोपी ने उसका एडमिशन करवा दिया। मगर बाद में पता लगा कि उस नाम का स्टूडेंट है ही नहीं। उसने फर्जी दस्तावेज बनाकर उससे 1.37 लाख का फ्रॉड कर लिया।

मोबाइल हैक कर 1.41 लाख रूपये ट्रांसफर किये

जोधपुर, (कासं)। शहर के दइजर करवड़ में एक युवक का मोबाइल हैक कर खाते से 1.41 लाख रूपए ट्रांसफर कर लिए गए। पीड़ित को पता लगने पर उसने बैंक से संपर्क किया। संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर उसने साइबर पोर्टल पर इसकी शिकायत दी। अब करवड़ पुलिस ने आईटी एक्ट में प्रकरण दर्ज किया है। करवड़ पुलिस ने बताया कि दइजर निवासी लक्ष्मण रैगर की तरफ से मामला दर्ज कराया गया है। उसका कहना है कि कुछ दिन पहले उसका फोन किसी ने हैक कर दिया। बाद में हैकर ने बैंक खाते से 1.41 लाख रूपए ट्रांसफर कर लिए। बाद में उसे पता लगा। करवड़ पुलिस ने अब आईटी एक्ट का प्रकरण दर्ज कर जांच आरंभ की है।

- **पुलिस ने आईटी एक्ट का प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की**

युवक ने फंदा लगाकर जान दी

जोधपुर, (कासं)। मंडोर पुलिस थाना क्षेत्र शिव नगर, निंबा निंबड़ी में रहने वाले एक युवक ने अपने घर में साड़ी से फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। आत्महत्या का कारण पता नहीं चला है। इस बारे में मृतक के पिता की तरफ से पुलिस में मर्ग की रिपोर्ट दी गई है। मंडोर पुलिस ने बताया कि शिव नगर, निंबा निंबड़ी निवासी 21 साल के पुष्पेंद्र ने अपने घर में साड़ी का फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली। परिजन को पता लगने पर उसे अस्पताल ले गए, मगर डॉक्टर ने उसे मृत बता दिया।

सोलर प्लेट व सामान चोरी का आरोपी गिरफ्त में

कोटा, (निसं)। ग्रामीण इलाके की बपावर कलां पुलिस टीम ने खेत से सोलर प्लेट सहित अन्य सामान चोरी के दर्ज मामले में कार्रवाई करते हुए शातिर चोर बाबूलाल को गिरफ्तार किया है।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि 6 अक्टूबर को फरियादि मांगीलाल ने बपावरकलां थाने में रिपोर्ट दी। फरियादी ने रिपोर्ट में कहा कि कुंआ वाले खेत माल धांसखेड़ा में सौर ऊर्जा वाली झटका मशीन लगा रखी है, जिससे जंगली जानवर खेत में नहीं घुसते हैं। रिपोर्ट में कहा कि जब वह बेटे के साथ खेत पर पहुंचा तो झटका मशीन, सोलर प्लेट एवं उसकी बैटरी लगी हुई नहीं मिली, जिसकी आसपास तलाश की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। ग्रामीण एसपी ने बताया कि फरियादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया। मामले में कार्रवाई के लिये टीम का गठन किया गया। गठित टीम द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण कर तकनीकी साक्ष्य एकत्रित किये गये और कार्रवाई की।

शौच के लिए निकली बुजुर्ग महिला पर बदमाश ने हमला कर जेवर लूटे

भीलवाड़ा, (निसं)। उपनगर पुर में बेखौफ बदमाशों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। इलाके में महज एक हफ्ते के भीतर चाकूबाजी और लूट की दूसरी वारदात से हड़कंप मच गया है। ताजा मामला बजरंगपुरा का है, जहां अलसुबह शौच के लिए निकली एक बुजुर्ग महिला पर अज्ञात नकाबपोश लुटेरे ने चाकू से जानलेवा हमला कर दिया और उनके गले से डेढ़ तोले के सोने के आभूषण लूटकर फरार हो गया।

जानकारी के अनुसार घटना गुरुवार सुबह करीब पांच बजे मंडी के बालाजी के पास की है। पीड़ित छोटू लाल रेगर की मां बापू बाई जब शौच के लिए घर से बाहर गई थीं, तभी घात लगाकर बैठे एक युवक ने उन पर हमला कर दिया। महिला के विरोध करने पर लुटेरे ने चाकू से वार किया, जिससे महिला के होंठ पर गंभीर चोट आई है। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी सोने के गहने छीनकर मौके से रफूचक्कर हो गया।

हालांकि, लुटेरे की यह करतूत पास ही लगे एक सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। फुटेज में आरोपी अपने मुंह पर कपड़ा बांधे नजर आ रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुर थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। थाना प्रभारी कन्हैयालाल के मुताबिक, सीसीटीवी फुटेज के आधार पर संदिग्ध की पहचान की जा रही है और पुलिस की टीम आरोपी को दबोचने के लिए लगातार दबिश दे रही है।

गौरतलब है कि ठीक एक हफ्ते पहले भी पुर इलाके में इसी तरह एक महिला पर चाकू से हमला कर लूट की वारदात को अंजाम दिया गया था। बार-बार हो रही इन घटनाओं से आक्रोशित ग्रामीणों ने दो दिन पहले ही थाने पर जोरदार प्रदर्शन कर आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की थी। इसके बावजूद पुलिस की ढिलाई के चलते लुटेरे ने एक और वारदात को अंजाम दे डाला, जिससे पूरे इलाके में दहशत का माहौल है।

अलवर में मांगों को लेकर सफाई कर्मचारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू

सफाई कर्मचारी भर्ती के लिए अनुभव प्रमाण पत्र जारी नहीं होने का मामला

अलवर, (निसं)। अलवर शहर में सफाई कर्मचारियों की हड़ताल का मामला बढ़ता जा रहा है। कर्मचारियों ने सफाई कर्मचारी भर्ती के लिए अनुभव प्रमाण पत्र जारी नहीं होने को लेकर गुरुवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी। इससे नगर निगम की सफाई व्यवस्था पर असर पड़ने की आशंका है।

- **सफाई कर्मचारियों ने स्पष्ट किया है कि जब तक अनुभव प्रमाण पत्र जारी नहीं होते, तब तक हड़ताल जारी रहेगी**

कर्मचारियों के अनुसार नगर निगम की ओर से पहले 28 सितंबर तक अनुभव प्रमाण पत्र उपलब्ध कराने का भरोसा दिया गया था। कर्मचारियों को उम्मीद थी कि तय समय में प्रमाण पत्र मिल जाएंगे और वे भर्ती के लिए जरूरी प्रक्रिया पूरी कर सकेंगे। हालांकि 28 सितंबर की समय सीमा निकलने के बाद भी कर्मचारियों को प्रमाण पत्र जारी नहीं किए गए। इसके बाद कर्मचारियों में नाराजगी बढ़ गई। कर्मचारी लगातार नगर निगम प्रशासन से प्रमाण पत्र जारी करने की मांग कर रहे हैं। अनुभव प्रमाण पत्र की मांग को लेकर सफाई कर्मचारियों ने मंगलवार को अलवर नगर निगम कार्यालय में धरना भी दिया था। कर्मचारियों ने प्रशासन के सामने अपनी समस्या रखी और जल्द प्रमाण पत्र जारी करने की मांग की थी। कर्मचारियों का कहना है कि लंबे समय से प्रमाण पत्र का इंतजार किया जा रहा है, इसलिए उनकी मांग है कि प्रमाण पत्र जल्द जारी किए जाएं।

सफाई कर्मचारियों ने स्पष्ट किया है कि जब तक अनुभव प्रमाण पत्र जारी नहीं होते, तब तक उनकी अनिश्चितकालीन हड़ताल जारी रहेगी। हड़ताल के कारण शहर में सफाई व्यवस्था प्रभावित हो सकती है। नियमित सफाई, कचरा संग्रहण और अन्य सफाई कार्यों पर इसका असर पड़ने की संभावना है। सफाई कर्मचारियों का कहना है कि भर्ती के लिए आवेदन प्रक्रिया में फिलहाल अनुभव प्रमाण पत्र नहीं मांगा जा रहा है, लेकिन आगे चलकर अनुभव प्रमाण पत्र की जरूरत होगी। ऐसे में कर्मचारी पहले से ही अपना अनुभव प्रमाण पत्र चाहते हैं, ताकि भर्ती प्रक्रिया के दौरान उन्हें किसी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़े।



अलवर में सफाई कर्मियों ने मांगों को लेकर प्रदर्शन किया।

सिंहोड़ पंचायत को नवगठित बबाई पंचायत समिति में शामिल करने का विरोध

सिंहोड़ ग्राम पंचायत को पंचायत समिति खेतड़ी में ही रखने की मांग

खेतड़ी, (निसं)। नवगठित पंचायत समिति बबाई में ग्राम पंचायत सिंहोड़ को शामिल किए जाने के प्रस्ताव के विरोध में राजीविका महिला सदस्यों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं ग्रामीणों ने मोर्चा खोल दिया है। ग्रामीणों ने जिला कलैक्टर एवं उपखंड अधिकारी के नाम ज्ञापन सौंपकर सिंहोड़ ग्राम पंचायत को पंचायत समिति खेतड़ी में ही यथावत रखने की मांग की। साथ ही मांग नहीं माने जाने पर आंदोलन की चेतावनी दी।

ज्ञापन में बताया गया कि ग्राम पंचायत सिंहोड़ वर्तमान में पंचायत समिति खेतड़ी के अधीन आती है। अब नवगठित पंचायत समिति बबाई में सिंहोड़ को शामिल करने का प्रस्ताव सामने आया है। ग्रामीणों का कहना है कि सिंहोड़ को बबाई पंचायत समिति में शामिल करने से क्षेत्र के लोगों की परेशानियां बढ़ जाएंगी। उन्हें विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ लेने, प्रमाण-पत्र बनवाने तथा पंचायत समिति स्तर के अन्य कार्यों के लिए अधिक दूरी तय करनी पड़ेगी। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने कहा कि सिंहोड़ को बबाई पंचायत समिति में शामिल करने से राजकीय महिला कर्मचारियों एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को भी आवागमन संबंधी दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा। वर्तमान में खेतड़ी पंचायत समिति से जुड़े होने के कारण ग्रामीणों और कर्मचारियों के कार्य आसानी से हो रहे हैं। बबाई में शामिल किए जाने पर प्रशासनिक कार्यों के साथ-साथ आने-जाने में भी अतिरिक्त परेशानी बढ़ने की आशंका है।

ग्रामीणों ने बताया कि सिंहोड़ ग्राम पंचायत की ओर से इस संबंध में बैठक आयोजित कर प्रस्ताव भी पारित किया गया है। प्रस्ताव में बबाई पंचायत समिति में शामिल किए जाने पर असहमति जताते हुए सिंहोड़ को पंचायत समिति खेतड़ी के अधीन ही यथावत रखने की बात कही गई है। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र की सुविधा और प्रशासनिक व्यवस्थाओं को देखते हुए सिंहोड़ का खेतड़ी पंचायत समिति में रहना ही उचित है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की कि नवसृजित पंचायत समिति बबाई में ग्राम पंचायत सिंहोड़ को शामिल नहीं किया जाए और उसे पंचायत समिति खेतड़ी के अधीन ही रखा जाए। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि उनकी मांग पर जल्द सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो ग्रामीण आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे। इस दौरान निर्मला देवी, कविता, भावना, संजू, मंजू, मनेश, सुनीता, द्रोपदी, सुशीला, लाली देवी, लक्ष्मी, विद्या देवी, मोनिका, संतरा सहित अनेक ग्रामीण एवं महिला कार्यकर्ता मौजूद रहीं।



आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं व राजीविका महिलाओं ने जिला कलैक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा।